नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी उड़ान, दुनिया से जुड़ेगा गौतमबुद्ध नगर

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही उड़ान भरने को तैयार है। पहले चरण में एक रनवे और एक टर्मिनल बिल्डिंग पूरी तरह से तैयार हो चुकी है। एयरपोर्ट की शुरुआत के साथ ही दिल्ली-एनसीआर के साथ देश भर के यात्री इससे जुड़ जाएंगे। एयरपोर्ट के साथ एविएशन हब के रूप इसे विकसित किया जा रहा है। दुनिया के सभी कोने में सीधी उड़ान संभव होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शामिल नोएडा एयरपोर्ट भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की नई उड़ान है। इससे देश के लाजिस्टिक्स, पर्यटन एवं निवेश सेक्टर को नई गति मिलेगी। 1334 हेक्टेयर में बन रहे एयरपोर्ट को भविष्य में कुल छह रनवे और छह टर्मिनल बिल्डिंग होंगी। यात्री क्षमता 22.50 करोड़ सालाना हो जाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. एवं यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि यह एयरपोर्ट दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा। जेवर से सड़क मार्ग से यहां की दूरी सिर्फ दो घंटे 21 मिनट में पूरी हो जाएगी।

- यीडा ने बिना किसी कानूनी विवाद के अधिग्रहीत की 6000 हेक्टेयर जमीन
- एक्सप्रेसवे, रेलवे, रैपिड रेल और मेट्रो जैसे फास्ट ट्रांसपोर्टेशन से जोड़ा जा रहा नोएडा एयरपोर्ट

<< नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग● जागरण आर्काइव

रेलवे, रैपिड रेल, मेट्रो और पीआरटी से मल्टीमाडल कनेक्टिविटी

यीडा और केंद्र सरकार मिलकर एयरपोर्ट को मल्टीमाडल ट्रांसपोर्ट से जोड़ रही है। रैपिड रेल कारिडोर का काम जल्द शुरू हो जाएगा। नोएडा मेट्रो का विस्तार होने के अलावा पर्सनल रैपिड ट्रांजिट (पीआरटी) से भी जोड़ा जाएगा। भारतीय रेलवे से भी इसे जोड़ा जा रहा है। एयरपोर्ट निर्माण के लिए यमुना प्राधिकरण ने 6000 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की है। यह अधिग्रहण बिना किसी कोर्ट केस या किसान विरोध के हुआ, जिससे देशभर में एक आदर्श भूमि अधिग्रहण माडल बन गया है।